विकास संवाद मीडिया लेखन फैलोशिप 2016

आवेदन की अंतिम तिथि - 20 Qjojh 2016

विषय

- **पोषण की सुरक्षा और कुपोषण *(आदिवासी, दलित, वंचित समाज के सन्दर्भ में)***
- ***प्राथमिक शिक्षा की गुणवत्ता***

फैलोशिप क्यों ?

लोकतंत्र में मीडिया की भूमिका नीति निर्धारकों को दिशा दिखाने की है ताकि सबसे अंत के व्यक्ति तक उसका हक पहुंच सके. इसके लिए मुद्दों की गहरी समझ और जमीनी स्तर पर शोध की जरूरत पड़ती है. विकास संवाद पिछले 11 साल से मध्यप्रदेश के पत्रकारों को वंचित समुदाय से जुड़े मुद्दों पर फैलोशिप की प्रक्रिया चला रहा है. मकसद है कि इससे पत्रकारों की मुद्दों के प्रति समझ और ज्यादा बढ़े, वे जमीनी स्थितियों को देखें, शोध आधारित कार्य से अपना वैचारिक स्तर और मजबूत करें और ऐसे विषयों पर लगातार रिपोर्टिंग करें. फैलोशिप का मकसद मुख्यधारा के मीडिया में सामाजिक मुद्दों के दायरे को व्यापक बनाना है। यह फैलोशिप फील्ड रिपोर्टिंग को बढ़ावा देने और पत्रकारीय दृष्टिकोण के साथ संबंधित विषय पर विस्तार से काम करने (शोध कार्य) के लिए प्रेरित करती है।

विकास संवाद के बारे में

विकास संवाद की सोच उस दौर में उभरी, जब विकास की उपभोक्तावादी अवधारणा से प्रभावित मुख्यधारा के मीडिया में समाज के सबसे कमजोर तबकों से जुड़े मुद्दों के लिए जगह लगातार कम होती चली गई। विकास संवाद ने मीडिया और जमीनी स्तर पर जनमुद्दों की पैरवी कर रहे संस्थानों के बीच एक सेतु बनाने की कोशिश की है। इससे मीडिया के लिए मुद्दों तक पहुंच का दायरा तो व्यापक हुआ ही, विकास के मसलों पर पत्रकारों का लगातार जुड़ाव होता चला गया। विकास के मुद्दों पर लगातार संवाद ही हमारी शक्ति है। मीडिया फैलोशिप इस कार्य को और व्यापकता देने का एक माध्यम है। अभी तक इस फैलोशिप के जरिए 66 पत्रकार साथी लेखन और शोध कार्य कर चुके हैं।

विषय/प्रस्ताव

- विकास संवाद फैलोशिप **2016** के अंतर्गत "**पोषण की सुरक्षा और कुपोषण**" **(आदिवासी, दलित, वंचित समाज)** और **प्राथमिक शिक्षा की गुणवत्ता** पर केंद्रित है।
- फैलोशिप के लिए आवेदक को अपना प्रस्ताव और कार्य योजना मध्यप्रदेश के किसी एक अंचल (मालवा, महाकौशल, चम्बल, निमाड़, विन्ध्य, बघेलखंड, बुंदेलखंड) में रहने वाले "किसी एक" आदिवासी/दलित या अन्य वंचित तबके की पोषण और खाद्य सुरक्षा (इस फैलोशिप के तहत वर्ष 2013, 2014 और 2015 की फैलोशिप में शामिल हो चुके **भील, कोरकू, बैगा, गोंड, बसोड़, कोंदर, भारिया, कोल, पटलिया, चर्मकार, सहरिया और भिलाला** समुदाय को छोड़कर) पर केंद्रित रखना होगा।
- प्रस्ताव में यह स्पष्ट होना चाहिए कि आप फैलोशिप के लिए लक्षित समुदाय की पोषण और खाद्य सुरक्षा/ प्राथमिक शिक्षा की गुणवत्ता के किन नए पक्षों को अपने लेखन और शोध के जरिये उभार पायेंगे।

समन्वयक, विकास संवाद मीडिया फैलोशिप

ई-7/226, प्रथम तल, अरेरा कालोनी, धनवन्तरी परिसर के सामने, शाहपुरा, भोपाल

फोन: 0755-4252789, 9424467604, 9977958934, 9977704847, 8889104455

Email: vikassamvadmedia@gmail.com, website: www.mediaforrights.org

विकास संवाद मीडिया लेखन फैलोशिप 2016

आवेदन की अंतिम तिथि - 20 Qjojh 2016

विषय के सन्दर्भ में (पोषण विषय के लिए)

- आज आदिवासी और दलितों का पर्यायवाची, विपन्न और भुखमरी के साथ जीने वाले समुदाय के रूप में माना जाने लगा है। इस बात पर अध्ययन करने की जरूरत है कि क्या ये समुदाय हमेशा से खाद्य असुरक्षा और भुखमरी के शिकार रहे हैं ? अगर ऐसा होता तो अब तक इनका वजूद ही खत्म हो जाना चाहिए था, लेकिन वास्तव में ऐसा है नहीं। क्यों ? वह कौन सा सामाजिक ताना-बाना है, कौन सी ऐसी व्यवस्था है जो उनकी खाद्य असुरक्षा की भरपाई करते हुए उन्हें जिंदा रखे हुए है ? हमें यह देखना चाहिए कि इन समुदायों में खाद्य सुरक्षा की क्या व्यवस्थाएं थीं, जिन्होंने उन्हें सम्मानजनक जीवन जीने लायक बनाए रखा ?
- आवेदक को विस्तार से यह अध्ययन करना होगा कि उसके द्वारा चुने गए समुदाय में खाद्य और पोषण सुरक्षा की क्या व्यवस्था रही है, जिसने उन्हें भुखमरी और कुपोषण से बचाए रखा ? यहां खाद्य और पोषण सुरक्षा से हमारा आशय खाद्यान्न उत्पादन, भण्डारण, समुदाय और परिवार के भीतर जरूरत के मुताबिक वितरण (महिलाओं, बच्चों, बुजुर्गों और विकलांगों) की सामाजिक व्यवस्था से है। इसके तहत सांस्कृतिक और सामाजिक रूप से वे कौन से परंपरागत तरीके थे, जिन पर उनकी निर्भरता ने उन्हें बचाए रखा ?
- वर्तमान में अगर इन समुदायों में खाद्य और पोषण सुरक्षा का परंपरागत सामाजिक ताना-बाना अगर टूटा है तो इसके पीछे कौन से कारण जिम्मेदार हैं?
- फैलोशिप के दौरान अध्ययनपरक लेखन के दौरान आवेदक को इस बिखराव के पीछे सरकारी तंत्र की भूमिका का आंकलन भी करना होगा। कहीं उन नीतियों/नियमों ने तो कुछ उलझनें पैदा नहीं कीं, जिसके चलते लक्षित समुदाय की खाद्य और पोषण सुरक्षा के साथ तादात्म्य नहीं बैठ पा रहा है ?
- इन वंचित समुदायों में मौजूदा पोषण असुरक्षा के सन्दर्भ में क्या हमें प्राकृतिक संसाधनों के अधिकारों को परिभाषित करने की आवश्यकता महसूस होती है? आवेदक को इस पर भी गौर करना होगा।

विषय के सन्दर्भ में (प्राथमिक शिक्षा की गुणवत्ता विषय के लिए)

- प्राथमिक शिक्षा व्यवस्था देश के भविष्य की बुनियाद है। लेकिन पिछले दो दशकों में खासकर सरकारी शिक्षा व्यवस्था की नींव को कमजोर किया जा रहा है। इसका सीधा असर शिक्षा की गुणवत्ता पर पड़ रहा है।
- प्राथमिक शिक्षा में सरकारी ढांचा जो कि सबसे सस्ता और आम लोगों की पहुंच तक का है वो खतरे में है. कई ऐसी ख़बरें भी इस बीच आई हैं कि इस पूरे ढांचे को अब निजी हाथों में सौंप दिया जायेगा.
- ऐसा क्यों हो रहा है उसे समझने की जरुरत है, इसे शिक्षकों के नजरिये से भी देखने की जरूरत है, आखिर वे कौन से कारण हैं जिनके चलते शिक्षा की गुणवत्ता प्रभावित हो रही है.
- शिक्षको से क्या अतिरिक्त काम करवाया जा रहा है, उनकी उपलब्धता कितनी है, है भी तो शिक्षा के अलावा उनका वक्त किन कामों में ज्यादा जा रहा है.
- शिक्षा के अधिकार कानून के बाद शिक्षा की स्थिति में क्या बदलाव आया है, लड़कियों और शिक्षा व्यवस्था के बाहर के बच्चों की क्या स्थिति है. उनको मुख्यधारा में लाने की क्या कोशिशें हैं.

समन्वयक, विकास संवाद मीडिया फैलोशिप

ई-7/226, प्रथम तल, अरेरा कालोनी, धनवन्तरी परिसर के सामने, शाहपुरा, भोपाल

फोन: 0755-4252789, 9424467604, 9977958934, 9977704847, 8889104455

Email: vikassamvadmedia@gmail.com, website: www.mediaforrights.org

विकास संवाद मीडिया लेखन फैलोशिप 2016

आवेदन की अंतिम तिथि - 20 Qjojh 2016

फैलोशिप चयन के आधार

- मध्यप्रदेश में कार्यरत पत्रकार।
- पत्रकारिता में कम से कम पांच वर्ष का अनुभव।
- फैलोशिप में शोध के लिए एक माह की छुट्टी की सहमति।
- प्रदेश के विभिन्न हिस्सों में अध्ययन-भ्रमण में सक्षम।
- अपने अखबार के संपादक से खबर/ लेखों के प्रकाशन का सहमति-पत्र ।
- स्वतंत्र पत्रकार के लिए कम से कम दो प्रतिष्ठित समाचार-पत्र/पत्रिका के संपादकों की सहमति/अनुशंसा-पत्र।
- वे पत्रकार जिन्होंने पहले भी विकास संवाद फेलोशिप के तहत काम किया है और यदि उन्हें फैलोशिप किये तीन साल से अधिक समय हो गया है, वे भी आवेदन कर सकते हैं।

चेक लिस्ट (आप जांच लें कि ये सभी दस्तावेज आपने संलग्न किए हैं या नहीं)

- आवेदन पत्र।
- छायाचित्र (पासपोर्ट साइज)
- बायोडाटा।
- अनुभव प्रमाण-पत्र।
- चयनित विषय की अवधारणात्मक समझ पर आठ सौ से एक हजार शब्दों का एक आलेख प्रस्ताव, जिसमें फैलोशिप के तहत काम करने की रणनीति दर्शाना होगा (जिसमें विषय चयन का आधार] विषय से जुड़े विभिन्न पहलू, अध्ययन क्षेत्र आदि का जिक्र हो)।
- फैलोशिप के तहत तैयार सामग्री के प्रकाशन हेतु संपादक का सहमति-पत्र। (स्वतंत्र पत्रकार के लिए दो अखबारों के संपादकों का सहमति-पत्र)।
- सामाजिक मुद्दों पर प्रकाशित न्यूनतम पांच लेखों/समाचारों की छाया प्रति
- पत्रकारिता और सामाजिक मुद्दों के क्षेत्र में आपके कार्य को जानने वाले दो संदर्भ व्यक्तियों के नाम।

विकास संवाद फैलोशिप ज्यूरी

1. श्री गिरीश उपाध्याय, वरिष्ठ पत्रकार, भोपाल।
2. सुश्री अन्नू आनंद, वरिष्ठ पत्रकार, नई दिल्ली।
3. सुश्री श्रावणी सरकार, वरिष्ठ पत्रकार, भोपाल।
4. श्री अरुण त्रिपाठी, वरिष्ठ पत्रकार, नई दिल्ली।
5. श्री रिचर्ड महापात्र, वरिष्ठ पत्रकार, नई दिल्ली
6. राकेश दीवान, सदस्य सचिव

समन्वयक, विकास संवाद मीडिया फैलोशिप
ई-7/226, प्रथम तल, अरेरा कालोनी, धनवन्तरी परिसर के सामने, शाहपुरा, भोपाल
फोन: 0755-4252789, 9424467604, 9977958934, 9977704847, 8889104455
Email: vikassamvadmedia@gmail.com, website: www.mediaforrights.org

विकास संवाद मीडिया लेखन फैलोशिप 2016

आवेदन की अंतिम तिथि - 20 Qjojh 2016

फैलोशिप के नियम

- विकास संवाद फैलोशिप के अंतर्गत चयनित आवेदक को निर्धारित अवधि तक नियमानुसार कार्य करना होगा, जिसमें प्रत्येक माह उन्हें अनिवार्यतः कम से कम पांच दिन के लिए अध्ययन-भ्रमण करना ह ंगा।
- चयनित फैलो को छह माह के दौरान कम से कम 7 खबरे और 3 आलेख का प्रकाशन अनिवार्य है।
- फैलो को अपने अध्ययन के आधार पर 10, 000 शब्दों का एक आलेख प्रस्तुत करना होगा। यह आलेख तथ्य और शोध के निष्कर्षों पर आधारित होना चाहिए।
- प्रत्येक फैलो को 84 हजार रूपये की सम्मान राशि तीन समान किस्तों में दी जायेगी। इस राशि में यात्रा व्यय, अन्य सभी खर्च व टीडीएस कटौती समाहित होंगे।
- प्रत्येक फैलो को प्रति माह कार्य की प्रगति रिपोर्ट देनी होगी। समीक्षा बैठक में उपस्थिति अनिवार्य होगी।
- तीन माह की फैलोशिप अवधि पूरी होने पर किए गए कार्य की समीक्षा ज्यूरी करेगी। कार्य संतोषजनक और मापदण्डों के अनुरूप न होने पर ज्यूरी की अनुशंसा के आधार पर फैलोशिप को बीच में समाप्त किया जा सकता है।
- विकास संवाद के फैलोशिप के दौरान फैलो को कोई और फैलोशिप करने की पात्रता नहीं होगी।
- फैलो अपने चुने हुये विषय पर प्रकाशित/लिखित आलेखों को संकलन के रूप में प्रकाशित कराने का अपने स्तर पर प्रयास कर सकते हैं।
- बेहतर अध्ययन एवं ठोस कार्य के लिए यह सुझाव है कि आप फैलोशिप के तहत चुने गए भौगोलिक क्षेत्र, विषय के विभिन्न पक्ष, उपलब्ध संदर्भ व्यक्ति एवं सामग्री आदि बिन्दुओं पर योजनाबद्ध ढंग से कार्ययोजना बनाकर कार्य करें।
- फैलोशिप में केवल योजना आधारित रिपोर्टिंग और शोध की अपेक्षा नहीं है, इसमें समाज के विषयों को व्यापक संदर्भों और तथ्यों के साथ लाने की सोच है.

आवेदन की अंतिम तिथि 20 फरवरी

आवेदन पत्र हमारी वेबसाइट www.mediaforrights.org से भी डाउनलोड किए जा सकते हैं

समन्वयक, विकास संवाद मीडिया फैलोशिप
ई-7/226, प्रथम तल, अरेरा कालोनी, धनवन्तरी परिसर के सामने, शाहपुरा, भोपाल
फोन: 0755-4252789, 9424467604, 9977958934, 9977704847, 8889104455
Email: vikassamvadmedia@gmail.com, website: www.mediaforrights.org

विकास संवाद मीडिया लेखन फैलोशिप 2016

आवेदन की अंतिम तिथि - 20 Qjojh 2016

साल 2015 के चयनित फैलो

चंद्रभानसिंह भदौरिया: मूलत: झाबुआ जिले के राणापुर कस्बे में रहने वाले भदौरिया की पहचान एक जमीनी पत्रकार के रूप में है। वह पिछले दो दशकों से झाबुआ में जनमुद्दों पर रिपोर्टिंग करते रहे हैं। विकास संवाद फैलोशिप के तहत उन्होंने झाबुआ और अलीराजपुर जिले में भिलाला समाज की खाद्य सुरक्षा पर काम किया है।

प्रेमविजय पाटिल: मूलत: धार जिले में नवदुनिया अखबार के ब्यूरो प्रमुख के रूप में लंबे समय से काम कर रहे हैं। पर्यावरण और स्वास्थ्य के मसलों पर प्रेम ने जमीनी रिपोर्टिंग करते हुए अपनी पहचान बनाई है। विकास संवाद फैलोशिप के तहत उन्होंने धार जिले में पटलिया समाज की खाद्य सुरक्षा और पोषण पर काम किया है।

स्नेहा खरे: स्नेहा स्वास्थ्य मामलों की तेजतर्रार रिपोर्टर हैं। वह मप्र की राजधानी भोपाल में प्रमुख अखबारों के साथ जुड़कर स्वास्थ्य को लगातार कवर कर रही हैं। इन दिनों वह पीपुल्स समाचार में कार्यरत हैं। विकास संवाद फैलोशिप के तहत उन्होंने बुंदेलखंड में चर्मकार समाज के पोषण पर काम किया है।

अशोक गंगराड़े: भोपाल में दैनिक भास्कर के साथ लंबे समय से काम कर रहे अशोक गंगराड़े सामाजिक मुद्दों पर लगातार लिख रहे हैं। विकास संवाद फैलोशिप के तहत उन्होंने मप्र की सहरिया समाज को अपने शोध के लिए चुना। उन्होंने फैलोशिप के तहत विदिशा जिले में सहरिया समाज पर काम किया है।

समन्वयक, विकास संवाद मीडिया फैलोशिप

ई-7/226, प्रथम तल, अरेरा कालोनी, धनवन्तरी परिसर के सामने, शाहपुरा, भोपाल

फोन: 0755-4252789, 9424467604, 9977958934, 9977704847, 8889104455

Email: vikassamvadmedia@gmail.com, website: www.mediaforrights.org

विकास संवाद मीडिया लेखन फैलोशिप 2016

आवेदन की अंतिम तिथि - 20 Qjojh 2016

आवेदन-पत्र

फैलोशिप का विषय - .....

नाम ..... आयु ..... लिंग.....

माता का नाम ..... पिता का नाम.....

पता.....

.....

मेल .....

फोन(एसटीडी कोड सहित)- निवास.....कार्यालय.....मोबाइल नंबर

.....

शैक्षणिक योग्यताएं

1 ....---....

2 ....--.....-----....

3 ....

4 ....----.....

व्यावहारिक अनुभव / अन्य फैलोशिप/ अवार्ड/ शोध कार्य

1 ....

2 ....---.....

3 ....---.....

4 ....

विकास संवाद फैलोशिप से आप क्या परिणाम लाना चाहेंगे-

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

समन्वयक, विकास संवाद मीडिया फैलोशिप

ई-7/226, प्रथम तल, अरेरा कालोनी, धनवन्तरी परिसर के सामने, शाहपुरा, भोपाल

फोन: 0755-4252789, 9424467604, 9977958934, 9977704847, 8889104455

Email: vikassamvadmedia@gmail.com, website: www.mediaforrights.org